

नागी और नकटी पक्षी अभयारण्यों को रामसर स्थल के रूप में मान्यता

स्रोत: डाउन टू अर्थ

हाल ही में **वशिव पर्यावरण दविस** पर बहिर के **नागी और नकटी पक्षी अभयारण्यों** को रामसर कन्वेंशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्दरभूमि के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

- इसके साथ ही भारत में ऐसी आर्दरभूमियों की कुल संख्या 82 हो गई है।

नागी और नकटी पक्षी अभयारण्यों की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?

- **भौगोलिक स्थिति:**
 - दोनों पक्षी अभयारण्य **मानव नरिमति आर्दरभूमि** पर नरिमति हुए हैं, जनिहें मुख्य रूप से **नकटी बाँध** के नरिमाण के माध्यम से सचिाई के लयि वकिसति कयिा गया है।
 - दोनों अभयारण्यों को प्रवासी प्रजातियों के लयि **शीतलन आवास** के रूप में उनके महत्त्व के कारण वर्ष 1984 में पक्षी अभयारण्य के रूप में नामति कयिा गया था।
 - जलग्रहण क्षेत्र में पहाड़ियों से घरि **शुषक प्रणपाती वन** हैं।
- **वनस्पति और जीव:**
 - ये आर्दरभूमि पक्षियों, स्तनधारियों, मछलियों, जलीय पौधों, सरीसृपों और उभयचरों की 150 से अधिक प्रजातियों के लयि आवास प्रदान करती हैं।
 - ये लुप्तपराय **भारतीय हाथी** और सुभेदय देशी **कैटफशि** जैसी वैश्वकि रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों की मेजबानी करते हैं।
 - **एशियाई जलपक्षी जनगणना, 2023** के अनुसार, नकटी पक्षी अभयारण्य में 7,844 पक्षी पाए गए, जो सर्वेक्षण में सबसे अधिक है, इसके पश्चात् नागी पक्षी अभयारण्य में 6,938 पक्षी पाए गए।

नोट:

- बहिर के बेगूसराय ज़िले में स्थति **काँवर झील** को वर्ष 2020 में राज्य का पहला रामसर स्थल घोषति कयिा गया।

रामसर कन्वेंशन क्या है?

- **रामसर कन्वेंशन** वर्ष 1971 में ईरान के रामसर में **युनेस्को** के तत्वावधान में हस्ताक्षरति एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है, जसिका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्दरभूमियों का संरक्षण करना है।
 - भारत में यह 1 फरवरी, 1982 को लागू हुआ, जसिके तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्दरभूमियों को रामसर स्थल घोषति कयिा जाता है।
- **मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड** अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्दरभूमि स्थलों का एक रजिस्टर है, जहाँ तकनीकी वकिस, प्रदूषण या अन्य मानवीय हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप पारस्थितिकि स्वरूप में परिवर्तन हुए हैं, वर्तमान में हो रहे हैं या संभावति हैं।
 - इसे रामसर सूची के भाग के रूप में बनाए रखा जाता है।

नोट:

- **वशिव आर्दरभूमि दविस** प्रत्येक वर्ष 2 फरवरी को वशिव भर में मनाया जाता है।
- रामसर स्थलों के लयि भारत की पहल:
 - **आर्दरभूमि (संरक्षण एवं प्रबंधन) नयिम, 2017**।
 - **जलीय पारस्थितिकि तंत्र के संरक्षण के लयि राष्ट्रीय योजना (NPCA)**
 - **अमृत धरोहर कषमता नरिमाण योजना**

- **राष्ट्रीय आरद्रभूमि संरक्षण कार्यक्रम (NWCP):** इसे वर्ष 1985 में शुरू किया गया था, ताकि कमज़ोर आरद्रभूमि पारस्थितिकी तंत्रों के लिये खतरों से नपिटा जा सके और उनके संरक्षण को बढ़ाया जा सके।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????:

प्रश्न. नमिनलखिति युगमों पर वचिर कीजयि: (2022)

आरद्रभूमि/झील अवस्थान

1. होकेरा आरद्रभूमि : पंजाब
2. रेणुका आरद्रभूमि : हमिचल प्रदेश
3. रुद्रसागर झील : त्रपुरा
4. सस्थामकोत्ता झील : तमलिनाडु

उपर्युक्त युगमों में कतिने सही सुमेलति हैं?

- (a) केवल एक युगम
- (b) केवल दो युगम
- (c) केवल तीन युगम
- (a) सभी चारों युगम

उत्तर: (b)

प्रश्न. नमिनलखिति युगमों पर वचिर कीजयि : (2014)

आरद्रभूमि नदरिों का संगम

1. हरकिे आरद्रभूमि : ब्यास और सतलज का संगम
2. केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान : बनास और चंबल का संगम
3. कोलेरु झील : मूसी और कृष्णा का संगम

उपर्युक्त युगम में से कौन-सा/से सही सुमेलति है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)